विद्याभवन ,बालिका विद्यापीठ, लखीसराय

विषय- हिंदी ***दिनांक-21/05/2020***
वर्ग- तृतीय ***वर्ग-शिक्षिका — नीतू कुमारी***

पाठ-1 (मेरा देश)

सुप्रभात बच्चों,

पिछली कक्षा में आपको कविता याद करने दिया गया था।हमें पूर्ण विश्वास है कि कविता याद करके आपने अपने माता-पिता को सुनाया होगा। आज आप उसी कविता का भावार्थ जानेंगे। जो इस प्रकार हैं:— हमारा देश भारत दुनिया में सबसे सुंदर है।नदी ,पहाड़ ,झरने ने इसे सजाया है। यह देश भारत कविता है। जिसमें अपने देश के सौंदर्य का वर्णन किया गया है।
हम देशवासियों के आपसी प्रेम भाव और एकता ने इसे सँवार है। हमारे देश में गंगा बहती है जो इसे पावन बनाती है। यहाँ का तिरंगा इसको ऊँचा बनाता है।
हमारा भारत देश विश्व में शांति बनाए रखने का संदेश देता है। हमार देश रोज़ नए अनोखे काम करता है। जिससे कि देश तरक्की की और बढ़ता जा रहा है। सचमुच हमारा देश प्यार है।

सीख— *इस कविता से हमने अपने देश से प्यार करना चाहिए और उस पर गर्व करना सीखा। साथ ही यह भी जाना कि भारत विश्व शांति का समर्थक है।*

दी गयी अध्ययन-सामग्री को पढ़ें तथा सुंदर अक्षरों में लिखें और समझने का प्रयास करें।

गृहकार्य :—

कविता के अनुसार सही विकल्प पर सही (✔) का निशान लगाएँ:—

(क) हमारे देश की मिट्टी कैसी है?—
(अ) कड़वी ( ) (ब) मीठी ( ) (स) सोंधी ( )

(ख) देश को बहुत प्यार बताने के लिए उसे क्या कहा गया है?—
(अ) आसमान का तारा ( )
(ब)आँखों का तारा ( )
(स) चाँद का तारा ( )

(ग)यह हमारे देश को बनाता/बनाती है—
(अ)गंगा ( )। (ब) हिमालय ( ) (स)एकता ( )